समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

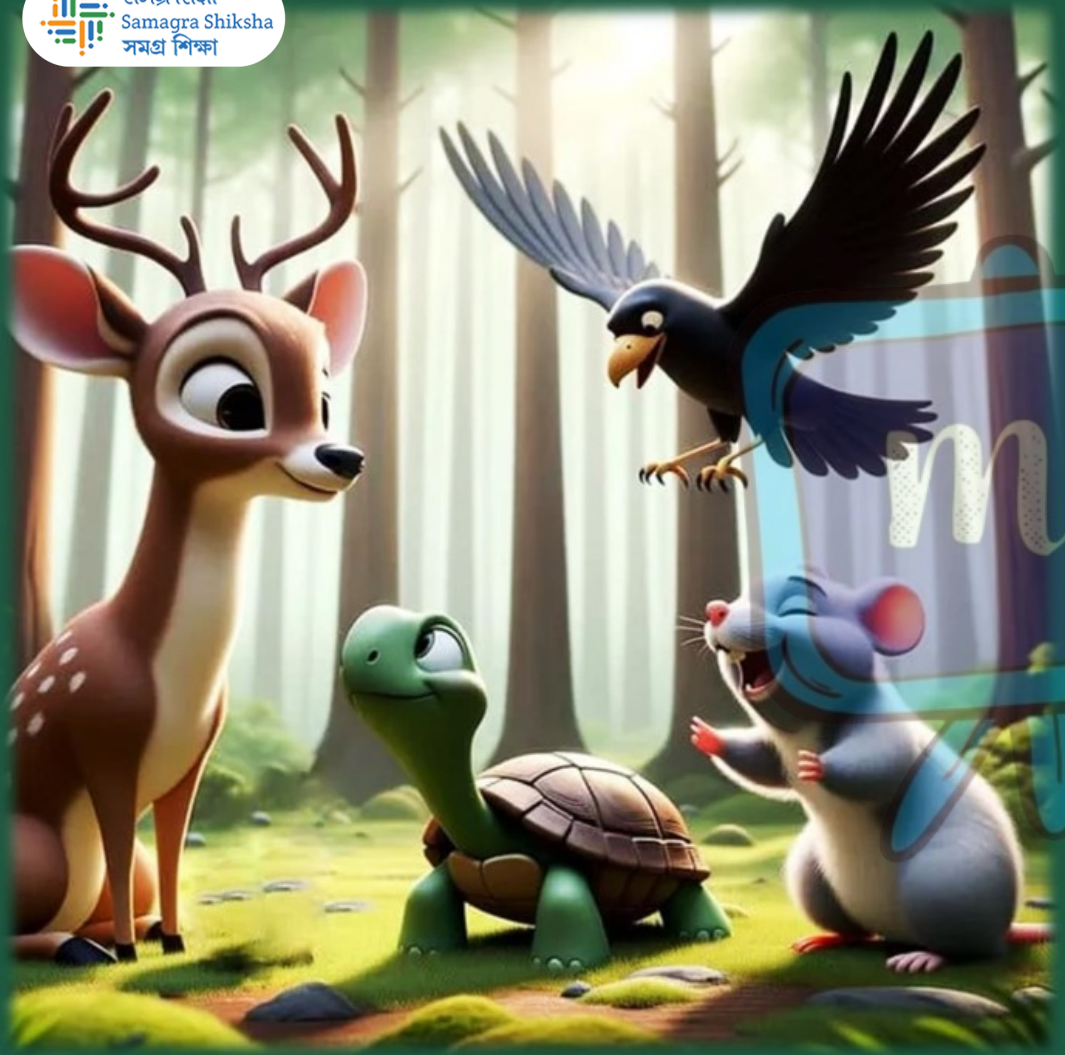

# कक्षा - 7

## हिंदी (पल्लव)

### अध्याय – 2

### चार मित्र

भाग – 2

मिताली कुमारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

लेकिन कछुवा बेचारा क्या करता ? वह जैसे-तैसे एक झाड़ी की ओर रेंगने लगा। बहेलिये ने पास आकर देखा, तो जाल खाली देख भौंचक रह गया।

"अरे ! यह क्या ?" उसने कहा, "फँसा फँसाया हिरन भाग निकला!"

वह चकित होकर इधर-उधर देखने लगा। अचानक उसकी निगाह झाड़ी की ओर रेंगते हुए कछुवे पर पड़ी।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

लेकिन कछुवा बेचारा क्या करता ? वह जैसे-तैसे एक झाड़ी की ओर रेंगने लगा। बहेलिये ने पास आकर देखा, तो जाल खाली देख भौंचक रह गया।

"अरे ! यह क्या ?" उसने कहा, "फँसा फँसाया हिरन भाग निकला!"

वह चकित होकर इधर-उधर देखने लगा। अचानक उसकी निगाह झाड़ी की ओर रेंगते हुए कछुवे पर पड़ी।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



उसने कहा, "यहाँ तो कछुवेराम दिखायी दे रहे हैं। चलो आज इन्हीं का भोग लगाया जाएगा।"

उसने लपक कर कछुवे को पकड़ा और एक थैले में बंद कर घर की ओर चल दिया।

पेड़ पर बैठा हुआ कौवा इस सारी घटना को देख रहा था।

"ओ चूहे भाई ! ओ हिरन भाई", उसने अपने दोस्तों को पुकार कर कहा, "जल्दी आओ, जल्दी। हमारा मित्र कछुवा भारी मुसीबत में फँस गया है।"

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

चूहा और हिरन तुरंत भागे-भागे कौवे के पास आए। कौवे ने कहा, "कछुवे को आजाद कैसे कराया जाए?"

"जो कुछ भी करना हो", चूहे ने कहा, "बहेलिये के घर पहुँचने से पहले ही कर डालना चाहिए।"

हिरन ने कहा, "हमें क्या करना है, यह मैं बताता हूँ। मैं बहेलिये के रास्ते में खड़ा होकर घास चरने का बहाना करूँगा। बहेलिया मुझे देखेगा तो थैला छोड़कर मेरा पीछा करने लगेगा। उसी बीच चूहा थैला काट देगा और कछुवा आजाद हो जाएगा।"

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



"लेकिन मान लो, कहीं उसने तुम्हें पकड़ लिया तो?" कौवे ने पूछा।

"अरे नहीं। तुम चिंता न करो। मैं इतना तेज दौड़ेंगा कि उसे नानी याद आ जाएगी।"

हिरन बहेलिये के रास्ते में जाकर आराम से खड़ा हो गया और मजे से घास चरने लगा।

"हिरन!" उसे देखते ही बहेलिया चिल्लाया, "कितना मोटा ताजा हिरन !" उसने थैला जमीन पर रखा और हिरन को पकड़ने दौड़ा।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उसी समय चूहा फुर्ती से आया और थैला काटने लगा। जरा ही देर में कछुवा आजाद हो गया। वह, भागा और पास ही एक घनी झाड़ी में छिप गया। उधर हिरन ऐसा दौड़ा कि बहेलिया उसकी दुम भी न पकड़ सका। वह खाली हाथ थैले के पास लौट आया।

"हिरन हाथ न आया तो क्या हुआ?" उसने कहा, "यह मोटा-ताजा कछुवा तो है ही। आज के खाने को यही काफी है।"

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



लेकिन जब बहेलिये ने थैला उठाया तो वह खाली निकला। वह इतना चकित हुआ कि उसे अपनी ही आँखों पर यकीन न आया।

"यह क्या ?" वह चीखा, "कछुवा नदारद ! इतना सुस्त जानकर कैसे भागा होगा ? लगता है आज मेरी किस्मत ही खराब है।"

कौवा, हिरन, चूहा और कछुवा छिपे-छिपे बहेलिये को देख रहे थे।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जब वह खाली थैला लेकर चला गया तो वे सब ठाट से बाहर निकल आए।

इस प्रकार वे चारों मित्र मिलजुल कर एक दूसरे की मदद करते हुए कई वर्षों तक आनंद से दिन बिताते रहे।



# मूल्यांकन





1 हिरन को आजाद करने के बाद, कौवा ने किसे देखा ?

A बहेलिया

B चूहा

C कछुवा

D कौवा

# मूल्यांकन








2 | चार मित्र थें – चूहा, कछुवा, कौवा और हिरन .....

# मूल्यांकन



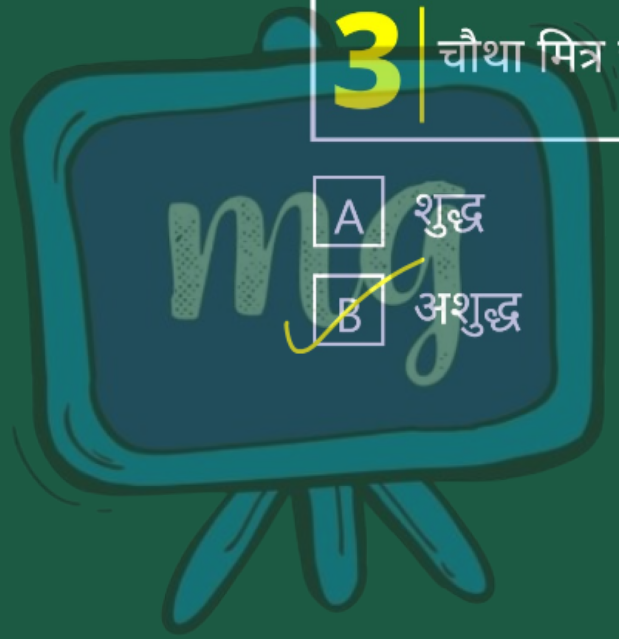


3 चौथा मित्र चूहा था ।

A शुद्ध

B अशुद्ध